# सिडबी और ग्लोबल अलायन्स फॉर मास एंटरप्रेन्योरशिप (जीएएमई) ने पहला कोहॉर्ट लॉन्च किया, छोटे एनबीएफसी को अपना दायरा बढ़ाने और विकास करने में मिलेगी मदद

**एनजीएपी माइक्रो एंटरप्राइजेज के लिए फाइनेंस तक पहुंच को बढ़ाना चाहता है**

**राष्ट्रीय; सोमवार, 16 अक्टूबर, 2023 :** सिडबी और ग्लोबल अलायन्स फॉर मास एंटरप्रेन्योरशिप (जीएएमई) ने एनबीएफसी ग्रोथ ऐक्सीलरेटर प्रोग्राम (एनजीएपी) के लिए पहला कोहॉर्ट लॉन्च किया है। इस प्रोग्राम को डिजाइनिंग के माध्यम से छोटे एनबीएफसी को बड़ा बनाने के लिए तैयार किया गया है। इसकी मदद से ये एनबीएफसी सभी मूल्यांकन मानदंडों पर आधारित संस्थागत फंडिंग के लिए आवेदन (अप्लाई) कर सकेंगे।

पाँच महीनों के इस गहन पाठ्यक्रम में जोखिम, परिचालन, शासन-प्रणाली (गवर्नेंस), और टेक्नोलॉजी पर विषय के विशेषज्ञों द्वारा मेंटर किया जाएगा। इसे इन-पर्सन, वर्चुअल और व्यक्तिगत सत्रों के संयोजन के माध्यम से समकक्ष शिक्षण, समीक्षा और नेटवर्किंग को प्रोत्साहित करने और इसे आसान बनाने के लिए तैयार किया गया है।

एनजीएपी (www.ngapindia.com) सिडबी और जीएएमई द्वारा की गई पहल है, जिसका उद्देश्य ज्यादा छोटे एनबीएफसी के लिए उचित दर पर ऋण की ज़रूरत पूरी करना है। जहाँ एनबीएफसी विभिन्न स्थानों में नये और माइक्रो एंटरप्राइजेज को ऋण देने के लिए सबसे उपयुक्त हैं, वहीं उन्हें ऐसा करने के लिए उचित लागत पर पर्याप्त फण्ड की ज़रूरत होती है। लेकिन छोटे एनबीएफसी, जिन्हें ऋण पूँजी की ज़रूरत है, ऐसा करने में असमर्थ हैं क्योंकि उनकी मजबूती को दर्शाने वाली योग्य रेटिंग अनुपलब्ध रहती है।

एनजीएपी की डिजाइन के बारे में समझाते हुए **ग्लोबल अलायन्स फॉर मास एंटरप्रेन्योरशिप के फाउंडर, श्री रवि वेंकटेसन** ने कहा कि, "केवल 15% एमएसएमई ही औपचारिक रूप से ऋण प्राप्त करने में सक्षम हैं और यह उनकी वृद्धि और सफलता में एक बड़ी बाधा है। इसे खोलने की कुंजी छोटी एनबीएफसी हैं, लेकिन ये पूंजी और उचित दरों तक पहुंचने में असमर्थ हैं और अपनी पहुंच और प्रभाव बढ़ाने के लिए कई क्षमताओं का अभाव है। सिडबी और गेम विकास-उन्मुख एमएसएमई की पहचान करने और 5 महीने के हस्तक्षेप के माध्यम से उनकी क्षमता को मजबूत करने के लिए इस एनबीएफसी एक्सेलेरेटर का निर्माण कर रहे हैं, जिससे उन्हें अधिक क्रेडिट-योग्य बनाया जा सके।

हमारा उद्देश्य एमएसएमई-केंद्रित एनबीएफसी को औपचारिक फंडिंग के लिए पात्र और भविष्य के लिए तैयार करने में सक्षम बनाने के लिए एक प्रतिकृति मॉडल डिजाइन करना था। एनजीएपी भाग लेने वाले एनबीएफसी को कार्यक्रम के बाद अपने मापदंडों में सुधार करने और फंडिंग के लिए आवेदन करने के लिए बेहतर स्थिति में रहने में मदद करता है। हमें उम्मीद है कि कार्यक्रम के बाद कम से कम 80% समूह को धन प्राप्त होगा। अगले वर्ष में, हमारे पास ऋण देने योग्य एनबीएफसी का एक बड़ा पूल होगा जो बड़ी संख्या में एमएसएमई को सेवा दे सकता है। इसका उद्देश्य 3 वर्षों में 100+ एनबीएफसी की क्षमता का निर्माण करना है जिससे एमएसएमई को ऋण का प्रवाह बढ़ाया जा सके।

इस घोषणा पर **सिडबी के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री शिवासुब्रमण्यिन रमन** ने बताया कि एनजीएपी का मूल उद्देश्य छोटे लेकिन योग्य एनबीएफसी के लिए क्षमता का निर्माण करना है। उन्होंने कहा कि, "इस प्रोग्राम से एनबीएफसी को संस्थागत फंडिंग प्राप्त करने में मदद करके एमएसएमई के लिए फण्ड के प्रवाह में सुधार होगा। इस समूह में सहभागी एनबीएफसी को विशिष्ट सलाह, समकक्षों के साथ अनौपचारिक बातचीत, संरचित समीक्षाओं और मूल्यांकन से काफी लाभ होगा। हमने प्रक्रिया का निर्माण किया है जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि सहभागी अगले चरण के योग्य बने रहने के लिए कारवाई का प्रदर्शन करें और मेंटर्स उत्तरदायित्व सुनिश्चित करने के लिए उन्हें एंडोर्स करने के साथ ही उनका सपोर्ट करें।"

**एफआईडीसी के चेयरमैन और श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड के एक्जीक्यूटिव वाइस चेयरमैन, श्री उमेश रावेनकर** ने इस अद्भुत प्रोग्राम की संकल्पना करने के लिए सिडबी और जीएएमई की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि यह प्रोग्राम बड़ी संख्या में एमएसएमई-केन्द्रित एनबीएफसी को उनके आतंरिक जोखिम प्रबंधन सिस्टम को बेहतर बनाने, कॉर्पोरेट गवर्नेंस में सुधार करने और व्यवसाय के लिए उचित टेक्नोलॉजी अपनाने में मदद कर सकता है। उनके विचार से यह एनबीएफसी को माइक्रो एंटरप्राइजेज के लिए ऋण का प्रवाह तेज करने के लिए ज्यादा फंड्स के साथ ज्यादा बैंकिंग कार्य के योग्य बना सकता है।

इस घोषणा के समय एफआईडीसी के पूर्व चेयरमैन रमन अगरवाल, बैंकों और एनबीएफसी के वरिष्ठ अधिकारी जैसे महत्वपूर्ण लोग उपस्थित थे।

विस्तृत विवरण के लिए, कृपया **एनजीएपी इंडिया** **या** **ग्लोबल अलायन्स फॉर मास एंटरप्रेन्योरशिप** देखें या निम्नलिखित से संपर्क करें :

- संजना राव, ग्लोबल अलायन्स फॉर मास एंटरप्रेन्योरशिप, +91 88978 27214
- सबा गुप्ता, काउंसलर, वन सोर्स, +91 96541 22432

**ग्लोबल अलायन्स फॉर मास एंटरप्रेन्योरशिप (जीएएमई) के विषय में :** जीएएमई का मिशन वर्तमान और नए एंटरप्राइजेज की वृद्धि के लिए भारत-व्यापी उद्यमिता आन्दोलन और अनुकूल परिस्थितियों को प्रेरित करना है जिससे कि वर्ष 2030 तक 5 करोड़ नई नौकरियाँ उपलब्ध हो सकें। हम चाहते हैं कि नए व्यवसायों की एक महत्वपूर्ण संख्या महिलाओं के स्वामित्व के अधीन हो। हम समान चुनौतियों का सामना करने वाले दुनिया के दूसरे हिस्सों में भी इसी तरह के अभियानों को प्रेरणा और समर्थन देने की आशा करते हैं। जीएएमई एक गैर-लाभकारी संगठन है जो जूनियर अचीवमेंट इंडिया सर्विसेज के अधीन एक प्रोजेक्ट के रूप में काम करता है। अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट https://massentrepreneurship.org/ देखें।